Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B+ Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

Breast Cancer Awareness program

Date	No. of students enrolled	Organizing Department
29-11-2018	152	Home Science Savera cancer & Multispecialty Hospital

Estd : 1960

Phone : 0612-3266992, 3266993
E-mail : samcpatna0612@gmail.com
Website : www.samcpatna.com

SRI ARVIND MAHILA COLLEGE, PATNA

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)
Kazipur, Patna - 800004 (Bihar)

Ref. No. ....

Date 29.11.2018

प्रेस विज्ञप्ति

स्तन कैंसर जागरूकता अभियान की कड़ी में एक व्याख्यान का आयोजन

पटना, 29 नवंबर

स्तन कैंसर जागरूकता अभियान की कड़ी में गृहविज्ञान विभाग, श्री अरविन्द महिला कॉलेज एवं सवेरा कैंसर एण्ड मल्टी स्पेसियलिट हॉस्पीटल केकड़बाग, पटना के संयुक्त तत्वाधान से उपर्युक्त विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। उस कार्यक्रम में पटना के प्रख्यात कैंसर सर्जन डॉ वी.पी सिंह को मुख्य अतिथि एवं वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है अगर इन्हें इस बिमारी के बारे में समय से जानकारी दी तथा उन्हें अपने आसपास के लोगो के साथ शेयर करने के लिए प्रेरित किया जाए तो हमलोग स्तन कैंसर का शुरुआती स्टेज में इलाज कर सकते हैं। डॉ. वी.पी सिंह ने आगे कहा कि वैसे तो हर तरह के कैंसर का रोग खतरनाक होता है लेकिन महिलाओं में होने वाले ब्रेस्ट कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जिसे समय रहते समझ लेना अतिआवश्यक है

आरंभ में कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्राचार्या प्रो० उषा झा ने कहा कि Breast cancer क्यों कैसे और किस स्थिति में होता है इसकी जानकारी सभी को होना चाहिए विशेष रूप से महिलाओं को जिसके द्वारा वह पूर्णरूप से अपना ख्याल रख सकती हैं।

Estd : 1960

Phone : 0612-3266992, 3266993
E-mail : samcpatna0612@gmail.com
Website : www.samcpatna.com

SRI ARVIND MAHILA COLLEGE, PATNA

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)
Kazipur, Patna - 800004 (Bihar)

Ref. No. .... Date ....

विषय प्रवेश एवं मंच संचालन का कार्य कार्यक्रम के समन्वयक डा० विभी सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि हम स्तन कैंसर को होने से रोक तो नहीं सकते, लेकिन थोड़ी सी जागरूकता अपनाकर इससे होने वाले असमय मौत को टाल जरूर सकते हैं, अगर इस रोग के आरंभिक लक्षण का पता लगा लिया जाए तो इलाज काफी आसान हो जाता है और लगभग 80 प्रतिशत रोगी ठीक हो जाते हैं।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग की विभागाध्यक्ष डा० शहनाज खानम ने ~~कै~~ किया और बताया कि यह एक महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान है जिसे संचालन करने हेतु ~~सर्वप्रथम~~ सर्वप्रथम प्राचार्या को धन्यवाद दिया तथा आने के मुख्य वक्ता डा० बी. पी. सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपने व्यस्तम कार्यों से समय निकालकर हमारे छात्राओं को बहुमूल्य जानकारी दी। कार्यक्रम में विभाग की डा० कुंजन, सोनी अनुभा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकायें एवं छात्रायें उपस्थित थी।

शहनाज खानम
29-11-2018
डा० शहनाज खानम
विभागाध्यक्ष
गृह - विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्षा
गृह-विज्ञान विभाग
अरविन्द महिला कॉलेज
पटना

अरविंद महिला कॉलेज में स्तन कैंसर जागरूकता के लिए आयोजित हुआ कार्यक्रम, छात्राओं के सवालों का कैंसर विशेषज्ञ ने दिए जवाब

स्तन कैंसर से बचने के लिए बदलावों पर रखें नजर : डॉ. वीपी सिंह

पटना | कार्यालय संवाददाता

महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की समस्या तेजी से बढ़ रही है पर इसका इलाज संभव है। शुरुआती स्टेज में ही इसके लक्षण पकड़ में आ जाते हैं। इसलिए छात्राएं खुद में आ रहे बदलावों की अनदेखी ना करें। ये बातें कैंसर सर्जन डॉ. वीपी सिंह ने गुरुवार को कहीं।

मौका था अरविंद महिला कॉलेज में सवेरा कैंसर एंड मल्टी स्पेशियलिस्ट हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित स्तन कैंसर जागरूकता अभियान कार्यक्रम का। डॉ. वीपी सिंह ने छात्राओं को स्लाइड के माध्यम से स्तन कैंसर के शुरुआती लक्षण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किसी तरह की गांठ, रंग या आकार में परिवर्तन महसूस हो तो डॉक्टर से जरूर परामर्श लें। उन्होंने मेमोग्राफी की जगह छात्राओं को अल्ट्रासाउंड करवाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मेमोग्राफी चालीस साल के बाद ही करवाना चाहिए। इस दौरान छात्राओं ने कई तरह के सवाल किए, जिसमें मनीषा ने टाइट कपड़े पहनने से स्तन कैंसर के खतरे के बारे में पूछा। श्रुति के सर्वाइकल कैंसर पर उन्होंने बताया कि यह बच्चेदानी का कैंसर है जो पुरुषों से महिलाओं में आए ह्यूमैन पुपिलोमा वायरस के कारण होता है। इसलिए हाइजीन का ख्याल रखना चाहिए।

प्राचार्या प्रो. उषा झा ने कहा कि ब्रेस्ट कैंसर की जानकारी छात्राओं को होनी चाहिए ताकि इसका पता शुरुआती स्टेज में ही पता चल सके

अरविंद महिला कॉलेज में छात्राओं को कैंसर के बारे में बताते डॉ. वीपी सिंह।

अरविंद महिला कॉलेज में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में शामिल शिक्षक व छात्राएं।

स्तन कैंसर के प्रति समाज को जागरूक करे युवा पीढ़ी

स्तन कैंसर कैसे होता है और इसके बचने के क्या उपाय हैं। इस विषय पर गुरुवार को श्री अरविंद महिला कॉलेज में कैंसर सर्जन डॉ. वीपी सिंह ने कहा कि देश में स्तन कैंसर के मामले के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इससे बचने के लिए युवा पीढ़ी को जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हर तरह का कैंसर खतरनाक होता है, लेकिन स्तन कैंसर की समस्या काफी तेजी से बढ़ रही है। कहा कि युवा पीढ़ी समाज और देश का भविष्य होता है। अगर इनको शुरुआत में ही बीमारी के बारे में जानकारी देकर दूसरों के साथ शेयर करने को प्रेरित किया जाना चाहिए। डॉ विमी सिंह ने कहा कि स्तन कैंसर को होने से रोक तो नहीं सकते, लेकिन थोड़ी सी जागरूकता अपनाकर असमय मौत को जरूर टाल सकते हैं। प्रारंभिक चरण में पता लगने पर इलाज आसान हो जाता है।

स्तन कैंसर को हराने के लिए जागरूक होना जरूरी

लाइफ रिपोर्टर ● पटना

देश में बढ़ते स्तन कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है. इसके लिए हमारी युवा पीढ़ी को जागरूक होना होगा. वैसे तो हर तरह के कैंसर रोग खतरनाक होता है, लेकिन महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. ब्रेस्ट कैंसर को लेकर लोगों में कई तरह की भ्रांतियां भी हैं जिसे अगर दूर कर लिया जाये तो आप आसानी से ब्रेस्ट कैंसर बचा जा सकता है. छात्राओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक करने के लिए श्री अरविंद महिला कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग एवं सवेरा कैंसर एंड मल्टी स्पेशियलिस्ट हॉस्पिटल कंकड़बाग के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस आयोजन में मुख्य वक्ता सर्जन डॉ वीपी सिंह थे. कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कॉलेज की प्राचार्या प्रो उषा झा ने किया कहा कि आज हमारे बदलते परिवेश के साथ हमारे शरीर में कई बदलाव आ रहे हैं जिसे नजर अंदाज करना हमारे लिए समस्या उत्पन्न करता है. ब्रेस्ट कैंसर के प्रति सभी छात्राओं को जागरूक होने के साथ सही जानकारी भी होनी जरूरी है. इस अवसर होम साइंस विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ शहनाज खानम, डॉ विमी सिंह के अलावा होम साइंस विभाग की छात्राएं मौजूद थीं.

ब्रेस्ट कैंसर को लेकर युवतियों में भ्रांतियां

डॉ वीपी सिंह ने बताया कि आज की युवतियों में जानकारी की कमी है. यही वजह है उन्हें अगर ब्रेस्ट में दर्द होता है या गांठ दिखती है तो वे तुरंत कैंसर समझ बैठती हैं. 80 प्रतिशत ब्रेस्ट के गांठ नॉन कैंसरस होते हैं और ब्रेस्ट पेन में भी 99 प्रतिशत दर्द नॉन कैंसरस होते हैं. यहां जरूरत है सही जानकारी की. भ्रांतियां फैलाने में गूगल का भी विशेष योगदान है. सही और पूरी जानकारी नहीं होने पर कई बार बीमारी को लेकर फॉल्स अलार्म भी होता है.

अरविंद महिला कॉलेज में आयोजित व्याख्यान में बोलते डॉ वीपी सिंह व मंच पर बैठे अन्य अतिथि.

ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण

ब्रेस्ट में अगर कोई भी गांठ है जो लंबे समय से है और वे बढ़ता जा रहा है तो यह ब्रेस्ट कैंसर का लक्षण है. ब्रेस्ट का साइज का असमान्य तरीके से बढ़ना, निपल से अचानक से डिस्चार्ज होना, निपल और ब्रेस्ट की त्वचा सिकुड़ जाना भी एक कारण है. अगर आपके ब्रेस्ट में लालिमा और असहनीय दर्द होता है तो यह इनफ्लेमेट्री कैंसर के लक्षण है. यह कैंसर पांच प्रतिशत महिलाओं में पाया जाता है. कई बार कांख के नीचे भी गांठ होना भी इसी के लक्षण है.

ब्रेस्ट कैंसर का कारण

एक्सरसाइज फिटनेस लेवल, ओरल कंट्रासेप्टिव पिल्स का इस्तेमाल, अधिक उम्र में पहला बच्चा होना, स्तनपान नहीं कराना, वजन में अत्यधिक वृद्धि और अक्सर शराब का सेवन करना और अनियंत्रित जीवनशैली स्तन कैंसर के प्रमुख कारण है. इसके अलावा अनुवांशिक रूप से भी स्तन कैंसर की बीमारी होना संभव है. कैंसर का कारक जेनेटिक लिंक और मेंटनेल पक्ष भी है.

बचाव

ब्रेस्ट कैंसर के लिए जांच बेहद जरूर है. 20 साल की उम्र वाली युवतियों को हर तीन साल पर क्लिनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन जरूरी है. अगर आपकी उम्र 40 साल है तो हर साल क्लिनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन करवाये.

छात्राओं ने पूछे कई सवाल

■ सरवाइकल कैंसर क्यों होता है?
बच्चेदानी के मुंह को सरविक्स बोलते हैं. इसका मुख्य कारण लो हाइजिन होता है. 60 प्रतिशत सर्वाइकल कैंसर का कारण ह्यूमन पेपीलोमा वायरस से होता है. यह वायरस पुरुष पार्टनर से आता है. जरूरत है जागरूकता और हाइजिन रखने की. इसका लक्षण कई बार ब्लीडिंग होती है, दर्द रहता है, सांस लेने में दिक्कत, पेशाब में दिक्कत आती है.

■ क्या कैमिकल प्रोडक्स यूज करने से कैंसर होता है?
कई बार हम जो प्रोडक्ट्स यूज करते हैं उससे स्किन इंफेक्शन होता है. वैसे तो पांच प्रतिशत से भी कम केस में स्किन कैंसर पाया जाता है.

■ किस तरह का कैंसर खतरनाक होता है?
ज्यादातर ब्रेस्ट कैंसर में डक्ट कैंसर और पैरेनकायमा कैंसर होता है. डक्ट कैंसर को हम इंट्रा डक्टल कैंसर कहते हैं जो कि सबसे खतरनाक होता है. इसमें कैंसर एक जगह से शुरू होकर हर जगह फैल जाता है जबकि पैरेनकायमा कैंसर में एक ही जगह पर पहले कैंसर फैलता है फिर आगे बढ़ता है.

■ सिस्ट होने से कैंसर होनी की

कितना संभावना है?
सिस्ट हॉरमोन होता है. मैनस्ट्रल साइकिल में दो हॉरमोन शामिल होते हैं पहला प्रोजेस्टेरोन और दूसरा एस्ट्रोजेन होता है. इन दोनों का बैलेंस बेहद जरूरी होता है. एस्ट्रोजेन में बढ़ोतरी होने पर सिस्ट होता है.

■ ब्रेस्ट में दर्द होना भी ब्रेस्ट कैंसर का लक्षण है?
ब्रेस्ट पेन को मास्टालजिया भी कहते हैं. यह सामान्य परेशानी है जिसमें हल्का दर्द, भारीपन, जकड़न, स्तन के ऊतकों में जलन, या स्तन कोमलता आदि जैसे लक्षण नजर आते हैं. अगर इस दर्द का संबंध मासिक धर्म चक्र से हो, तो इसे साइक्लिकल मास्टालजिया कहा जाता है. अगर ब्रेस्ट में पेन ज्यादा होता है तो यह कैंसर का आखिरी स्टेज होता है.

सिजेरियन के खिलाफ प्रस्ताव पास करेंगी डॉक्टर

बिहार में महिला डॉक्टरों के संगठन ने सिजेरियन ऑपरेशन के खिलाफ अपने स्तर से ऑडिट कराने का फैसला किया है. बिहार के लगभग 700 डॉक्टर एक जगह आयेंगे और वे सभी की नोट मैसेज जारी करेंगे. जिसमें वे बतायेंगे कि सिजेरियन सेक्शन में कम से कम डिलिवरी किस प्रकार करायी जाये. डॉ नीलम ने प्रभात खबर को बताया कि 30 नवंबर से दो दिसंबर तक तीन दिनों तक पटना में महिला डॉक्टरों का सम्मेलन होगा. इसमें हम सिजेरियन के मुद्दे पर विशेष तौर पर बात करेंगे. हम सभी महिला डॉक्टर अपनी ओर से सिजेरियन ऑपरेशन की बढ़ती संख्या को लेकर एक सेल्फ ऑडिट का प्रस्ताव पास करेंगे. 30 नवंबर शुक्रवार की सुबह 9:30 बजे से सत्र की शुरुआत इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान यानी आईजीआईएमएस में होगी. इसमें इंस्ट्रूमेंटल डिलिवरी, ब्रिज, कंपलीट पेरिनियल टियर के साथी गाइनेकोलॉजी एंडोस्कोपी वर्कशॉप के बारे में देश भर से आये विशेषज्ञ डॉक्टर जानकारी देंगे.

बैलून तकनीक से रुकेगी ब्लिडिंग

इसके लिए देश के अलग अलग हिस्सों से आए विशेषज्ञ महिला चिकित्सक बिहार की महिला डॉक्टरों को प्रशिक्षित करेंगे. इसके साथ ही विशेषज्ञ बतायेंगे कि किस प्रकार डिलीवरी के दौरान ब्लिडिंग रोकने की नई तकनीक आयी है. बैलून तकनीक के जरिये कैसे हवा भर कर ब्लिडिंग रोक दी जाती है. इसके साथ ही एंडोस्कोपी से किस प्रकार फर्टिलिटी आ जाती है और किशोरावस्था में होने वाली दिक्कतों को कैसे कंट्रोल किया जा सकता है ? वे यह भी जानकारी देंगे कि ओवरी या यूट्रस को कम उम्र में निकलवाने से क्या-क्या परेशानी होती है ? वह यह भी बतायेंगे कि गर्भधारण से रोकने के लिए जो दवाएं भी खुलेआम बिक रही है उस पर कंट्रोल किस प्रकार किया जाए ? जिन डॉक्टरों का यहां पर लेक्चर होना है उसमें डॉक्टर निवेदिता दत्ता बोकारो, डॉ उमेश गुप्ता अहमदाबाद, डॉक्टर उमा सिन्हा हैदराबाद, डॉ अखिल सक्सेना सोनीपत, डॉक्टर प्रदीप कुमार पानीगढ़ी भुवनेश्वर मुख्य रूप से शामिल हैं.

स्तन कैंसर के प्रति समाज को जागरूक करे युवा पीढ़ी

स्तन कैंसर कैसे होता है और इसके बचने के क्या उपाय हैं। इस विषय पर गुरुवार को श्री अरविंद महिला कॉलेज में कैंसर सर्जन डॉ. वीपी सिंह ने कहा कि देश में स्तन कैंसर के मामले के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इससे बचने के लिए युवा पीढ़ी को जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हर तरह का कैंसर खतरनाक होता है, लेकिन स्तन कैंसर की समस्या काफी तेजी से बढ़ रही है। कहा कि युवा पीढ़ी समाज और देश का भविष्य होता है। अगर इनको शुरुआत में ही बीमारी के बारे में जानकारी देकर दूसरों के साथ शेयर करने को प्रेरित किया जाना चाहिए। डॉ विमी सिंह ने कहा कि स्तन कैंसर को होने से रोक तो नहीं सकते, लेकिन थोड़ी सी जागरूकता अपनाकर असमय मौत को जरूर टाल सकते हैं। प्रारंभिक चरण में पता लगने पर इलाज आसान हो जाता है।

स्तन कैंसर को हराने के लिये युवा पीढ़ी का जागरूक होना जरूरी : डॉ वीपी सिंह

पटना। पटना के प्रख्यात कैंसर सर्जन डॉ वी पी सिंह ने कहा कि देश में बढ़ते स्तन कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है। इसके लिए हमारी युवा पीढ़ी को जागरूक होना होगा। वैसे तो हर तरह के कैंसर रोग खतरनाक होता है, लेकिन महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इतनी तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसे समझने पर कंपकंपी छूट जाती है।

कैंसर सर्जन डॉ वी पी सिंह ने उक्त बातें आज अरविंद महिला कॉलेज की होम साइंस विभाग और सवेरा कैंसर ऐण्ड मल्टी स्पेसियलिट हॉस्पीटल, कंकड़बाग पटना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्तन कैंसर जागरुकता कार्यक्रम के अंतर्गत कहा। इससे पहले मुख्य अतिथि एवं वक्ता के तौर पर डॉ सिंह ने कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत डॉ वी पी सिंह, श्री अरविंद महिला कॉलेज की प्रिन्सिपल डॉ ऊषा झा, होम साइंस विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ शहनाज खान एवं डॉ विमी सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर डॉ वी पी सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर इन्हें इस बीमारी के बारे में जानकारी दी जाए और इन्हें इस जानकारी को अपने आसपास के लोगों के साथ शेयर करने के लिये प्रेरित किया जाय तो हमलोग स्तन कैंसर का शुरूआती स्टेज में इलाज कर सकते हैं। मौके पर श्री अरविंद महिला कॉलेज की होम साइंस विभाग के डॉ विमी सिंह ने कहा कि हम स्तन कैंसर को होने से रोक तो नहीं सकते, लेकिन थोड़ी सी जागरूकता अपनाकर इससे होने वाले असमय मौत को टाल जरूर सकते हैं। अगर इस रोग के आरंभिक लक्षण का पता लगा लिया तो इलाज काफी आसान हो जाता है। लगभग 80 प्रतिशत रोगी ठीक हो जाते हैं। इस मौके पर श्री अरविंद महिला कॉलेज के सैंकड़ो छात्राओं के अलावा प्रिंसीपल एवं शिक्षिकायें उपस्तिथ थी। सबों ने स्तन कैंसर के प्रति समाज में जागरूकता लाले का संकल्प लिया।

'Awareness among youth needed to fight breast cancer'

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Rising cases of breast cancer is an alarming issue and it is necessary to arouse youths. Cancer is a dangerous disease and among women breast cancer is growing fast, said cancer specialist Dr B P Singh. Dr Singh was speaking at the cancer awareness week organized jointly by the home science department of Arvind Mahila College and Sawera Cancer and Multispeciality Hospital, Kankarbagh. He inaugurated the programme with the principal of the college Dr Usha Jha, head of home science department Shahnaz Khan and Vimmy Singh.

Singh said that youths should be made aware of the disease and its symptoms and inspired to share it with others so that breast cancer could be treated in its initial stages. Vimmy Singh said that one could not control the occurrence of the disease but untimely death of breast cancer patients could be prevented. "If it is detected in initial stage, its treatment becomes very easy and about 80 per cent patients of breast cancer could be cured," he said.

On the occasion, students and teachers along with staff of the college and other members present there took pledg to bring awareness in the society regarding the life-threatening menace.

'स्तन कैंसर को हराने के लिए युवा पीढ़ी का जागरूक होना जरूरी'

पटना (एसएनबी)। स्तन कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है। इसके लिए युवा पीढ़ी को जागरूक होना होगा। स्तन कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बात कैंसर सर्जन डॉ. वीपी सिंह ने गुरुवार को श्री अरविंद महिला कॉलेज की होम साइंस विभाग और सवेरा कैंसर एंड मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पीटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में कहीं।

डॉ. सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर इन्हें इस बीमारी की जानकारी दी जाए और इन्हें इस जानकारी को अपने आसपास के लोगों के साथ शेयर करने के लिए प्रेरित किया जाय तो हमलोग स्तन कैंसर का शुरुआती स्टेज में इलाज कर सकते हैं। मौके पर श्री अरविंद महिला कॉलेज की होम साइंस विभाग की डॉ. विमी सिंह ने कहा कि हम स्तन कैंसर को होने से रोक तो नहीं सकते, लेकिन थोड़ी सी जागरूकता से इससे होने वाली असमय मौत को टाल जरूर सकते हैं। अगर इस रोग के आरंभिक लक्षण का पता लगा लिया तो इलाज काफी आसान हो जाता है। लगभग 80 प्रतिशत रोगी ठीक हो जाते हैं।

श्री अरविंद महिला कॉलेज में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

Sri Arvind Mahila College: With a view to raising awareness about breast cancer and lending support to all those who are suffering from it, Sri Arvind Mahila College in association with Savera Cancer and Multispecialty Hospital organized a breast cancer awareness programme on the college campus on Thursday.

Oncologist Dr V P Singh, who was the chief guest of the event, said women, both young and old, should visit a doctor from time to time. He also interacted with the girls and answered their queries.

Associate professor Vimi Singh urged the students to spread awareness about breast cancer in society.

Principal Usha Jha and home science head Shanaaz Khan attended the event.

'स्तन कैंसर को हराने के लिए युवा पीढ़ी का जागरूक होना जरूरी'

पटना (एसएनबी)। स्तन कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है। इसके लिए युवा पीढ़ी को जागरूक होना होगा। स्तन कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बात कैंसर सर्जन डॉ. वीपी सिंह ने गुरुवार को श्री अरविंद महिला कॉलेज की होम साइंस विभाग और सवेरा कैंसर एंड मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पीटल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में कहीं।

डॉ. सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर इन्हें इस बीमारी की जानकारी दी जाए और इन्हें इस जानकारी को अपने आसपास के लोगों के साथ शेयर करने के लिए प्रेरित किया जाय तो हमलोग स्तन कैंसर का शुरुआती स्टेज में इलाज कर सकते हैं। मौके पर श्री अरविंद महिला कॉलेज की होम साइंस विभाग की डॉ. विमी सिंह ने कहा कि हम स्तन कैंसर को होने से रोक तो नहीं सकते, लेकिन थोड़ी सी जागरूकता से इससे होने वाली असमय मौत को टाल जरूर सकते हैं। अगर इस रोग के आरंभिक लक्षण का पता लगा लिया तो इलाज काफी आसान हो जाता है। लगभग 80 प्रतिशत रोगी ठीक हो जाते हैं।

श्री अरविंद महिला कॉलेज में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

" SAVERA "
CANCER AND MULTI SPECIALITY HOSPITAL
A Unit of Radha Ballabh Health Care & Research Institute Pvt. Ltd.
Lohiya Nagar, Near Rajendra Nagar Overbridge
Dr. R. N. Singh Road, Kankarbagh,
Patna

Ref..................

Date: 31.10.2018

To,
Prof. (Dr.) Usha Singh
Sri Arvind Mahila College
Patna, Bihar

SUBJECT: BREAST CANCER AWARENESS PROGRAM

Respected Madam,

Breast Cancer is no 1 killer cancer among women in urban India & no. 2 in the rural population. One in 8 women will suffer from breast cancer by the end of this decade. Early menarche, late menopause, urbanization of Indian population, alcohol abuse, wrong dietary habits, avoidance of Breast feeding are few predisposing factors responsible for this dreaded disease.

To educate people about Breast Cancer, we have planned a **"BREAST CANCER AWARENESS PROGRAM" on 19 Nov. 2018 .**

The guest speaker on this occasion will be

Dr. V P Singh
Consultant Surgical Oncologist
Director
Savera Cancer & Multispecialty Hospital

Kindly oblige by allowing us to spread the message of awareness in the society.
With Kind Regards,

Yours Truly,
Bhupesh

Bhupesh Kumar
Marketing Head
Savera Cancer & Multispecialty Hospital